ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 10 अप्रैल 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 09

सब्र का बांध टूटा, कटारिया के जवाब में जोशी का सियासी बम फटा, विधायकों की 20 लाख की यात्रा, टिकट की साजिश पर ऐसे—ऐसे खुलासे, पढ़कर आप रह जाएंगे हैरान!!! आरोपों के बवंडर, जोशी ने खोली पूरी फाइल!!!

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर की भाजपा राजनीति में उस वक्त भूचाल आ गया, जब वरिष्ठ नेता धर्मनारायण जोशी ने गुलाबचंद कटारिया पर तीखा पलटवार करते हुए आरोपों का ऐसा पिटारा खोल दिया, जिसने दशकों पुराने रिश्तों और सियासी समीकरणों को एक झटके में बेनकाब कर दिया। जोशी ने अपने विस्तृत पत्र में कटारिया पर संवैधानिक मर्यादा लांघने, संगठन में हस्तक्षेप, टिकट कटवाने की साजिश, चुनावी भीतरघात, आर्थिक षड्यंत्र और विधायकों के फंड के दुरुपयोग जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पत्र अब जवाब के साथ ही सियासी टकराव का सार्वजनिक विस्फोट का कारण बनने वाला है। जोशी ने कहा कि पूर्व पार्षद डॉ. विजय विप्लवी द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गए पत्र में उठाए गए सवाल आज भी अनुत्तरित हैं, लेकिन कटारिया ने तथ्यों पर जवाब देने के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियां करना उचित समझा। उन्होंने कटारिया पर आरोप लगाया कि वे भावनात्मक भाषणों और सहानुभूति का आवरण ओढ़कर खुद को निष्कलंक साबित करने की कोशिश करते हैं, जबकि वास्तविक मुद्दों से बचते हैं। जोशी ने चुनावी राजनीति के कई पुराने पन्ने खोलते हुए कहा कि 2008 और 2018 में उन्होंने मावली से चुनाव लड़ा, जबकि 2013 में उनका टिकट कटवाने में कटारिया की भूमिका रही। उन्होंने आरोप लगाया कि 2008 में उनके खिलाफ कांग्रेस प्रत्याशी को आर्थिक मदद दिलाने के आरोपों पर भी कटारिया मौन रहे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 2008 में उन्हें हराने, 2013 में टिकट कटवाने और 2018 में भी षड्यंत्र रचने की कोशिश की गई, जिसे तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने विफल कर दिया। जोशी ने अपनी राजनीतिक यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि वे संगठन के आदेश पर मावली गए, जहां उन्हें भीतरघात का सामना करना पड़ा, फिर भी वे डटे रहे। 2018 में उन्होंने बड़ी जीत दर्ज की और बाद में स्वयं निर्णय लेकर सीट छोड़ी। उन्होंने कटारिया पर आरोप लगाया कि उन्होंने 2003 में संगठन में उनके खिलाफ माहौल बनाया और उन्हें अपमानित कर जिम्मेदारी से हटवाया। आर्थिक षड्यंत्र का आरोप लगाते हुए जोशी ने 1998 का मामला उठाया, जब चुनाव के बाद बची राशि को लेकर उन्होंने कटारिया के निर्देशों पर संदेह जताते हुए सीधे रामदास अग्रवाल को राशि जमा करवा दी। बाद में उन पर ही पैसा रखने का आरोप लगाने की कोशिश की गई, जिसे उन्होंने कुचक्र बताया। सबसे बड़ा और सबसे विस्फोटक आरोप विधायकों के यात्रा फंड को लेकर सामने आया, जिसने पूरे मामले को सियासी बहस से उठाकर सीधे नैतिकता के कटघरे में खड़ा कर दिया। धर्मनारायण जोशी ने दावा किया कि फरवरी 2023 में जब गुलाबचंद कटारिया ने असम के राज्यपाल के रूप में शपथ ली, तब उनके परिजनों, समर्थकों और शुभचिंतकों की गौहाटी यात्रा का खर्च आम कार्यकर्ताओं या निजी स्तर पर नहीं, बल्कि राजस्थान विधानसभा के विधायकों के "व्यक्तिगत यात्रा मद" से उठाया गया। जोशी के अनुसार, यह कोई सामान्य खर्च नहीं था, बल्कि उदयपुर जिले के चार जनजाति वर्ग से आने वाले विधायकों के फंड का इस्तेमाल कर करीब 20 लाख 31 हजार 184 रुपये की बड़ी राशि खर्च की गई। उन्होंने साफ आरोप लगाया कि ये विधायक अपने राजनीतिक भविष्य और टिकट को सुरक्षित रखने के दबाव में इस खर्च को वहन करने को तैयार हुए। पूरा खर्च इस प्रकार बताया गया—

फुल सिंह मीणा (उदयपुर ग्रामीण) — 1,12,600
अमृत लाल मीणा (सलूम्बर) — 9,68,402
बाबूलाल खराड़ी (झाड़ोल) — 5,68,846
प्रताप गमेती (गोगुन्दा) — 3,81,336
कुल खर्च — 20,31,184

जोशी ने इस पूरे प्रकरण को सिर्फ "फंड उपयोग" नहीं, बल्कि "सत्ता के प्रभाव में संसाधनों का दुरुपयोग" करार दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि एक संवैधानिक पद की शपथ के निजी आयोजन में समर्थकों की यात्रा का खर्च जनप्रतिनिधियों के सरकारी मद से कैसे और क्यों उठाया गया?

उन्होंने यह भी कहा कि ये चारों विधायक जनजाति क्षेत्र से आते हैं और आम जनता के विकास के लिए मिलने वाले संसाधनों का इस तरह उपयोग होना न केवल अनैतिक है, बल्कि संगठन की विचारधारा और "सादगी व शुचिता" के मूल सिद्धांतों के भी खिलाफ है।

जोशी ने कटाक्ष करते हुए पूछा—क्या यह वही राजनीति है जो पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों की बात करती है? क्या जनसेवा के नाम पर मिलने वाला पैसा इस तरह "मिजाजपूर्सी" में खर्च होना चाहिए?

संगठन में गुटबाजी के आरोप लगाते हुए जोशी ने कहा कि कटारिया के समर्थकों ने कई मौकों पर पार्टी को नुकसान पहुंचाया—राजसमंद में क्रॉस वोटिंग, कैबिनेट बैठक का बहिष्कार, कार्यसमिति बैठकों से दूरी, नेताओं के खिलाफ अभियान और पार्टी कार्यालय में अनुशासनहीनता जैसी घटनाओं का उल्लेख किया गया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कटारिया ने अपने राजनीतिक करियर में कई बार सीट बदली और हार के डर से रणनीति बदली। साथ ही, उन्होंने यह दावा किया कि चुनावों में प्रशासनिक स्तर पर भी लाभ लेने की कोशिशें की गईं।

जोशी ने कटारिया पर दोहरी राजनीति करने का भी आरोप लगाया—एक ओर संगठन के प्रति निष्ठा का दावा, दूसरी ओर अंदरखाने गुटबाजी और विरोध। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ गुटबंदी बैठकों से लेकर दिल्ली तक लॉबिंग की गई, जबकि सार्वजनिक रूप से समर्थन का दिखावा किया गया।

संवैधानिक मर्यादा के मुद्दे पर जोशी ने आरोप लगाया कि राज्यपाल बनने के बाद भी कटारिया ने राजनीतिक गतिविधियां जारी रखीं—उदयपुर में बैठकों का आयोजन, पार्षदों से संपर्क, संगठनात्मक नियुक्तियों में हस्तक्षेप और कार्यक्रमों को प्रभावित करने के प्रयास। उन्होंने इसे राज्यपाल पद की गरिमा के खिलाफ बताया। जोशी ने 272 भूखंड घोटाले, भूमि खरीद, स्टाम्प ड्यूटी और हाउसिंग बोर्ड मकानों के मामलों का भी उल्लेख करते हुए कटारिया की नैतिकता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चरित्र और ईमानदारी के दावे बार-बार करना ही संदेह पैदा करता है। अंत में जोशी ने चार सीधे सवाल उठाए—राज्यपाल के रूप में यात्राओं का विवरण सार्वजनिक करने, उदयपुर में जनसुनवाई की जरूरत, अधिकारियों को निर्देश देने के अधिकार और संवैधानिक मर्यादा बनाए रखने की प्रतिबद्धता पर स्पष्ट जवाब मांगा।

साइबर फ्रॉड रैकेट बेनकाब, तीन गिरफ्तार, 53 एटीएम कार्ड, 35 चेकबुक, 6 पासबुक, 9 सिम और 1.54 लाख रुपये नगद बरामद

जयपुर 10 अप्रैल। झालावाड़ जिले की भवानीमंडी थाना पुलिस ने साइबर ठगी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए म्यूल बैंक अकाउंट उपलब्ध कराने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश कर बैंक खाता बेचने और खरीदने वाले 3 शातिर ठगों ललित राणा (22) निवासी रामनगर (खाता धारक), अजय विश्वकर्मा (25) निवासी रामनगर, भवानीमण्डी (तकनीकी एवं खाता प्रबंधन) एवं राजेश कुमार (43) निवासी पचपहाड़, भवानीमण्डी (मुख्य संचालक) को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में एटीएम कार्ड, चेकबुक और नकदी बरामद की है।

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में झालावाड़ पुलिस ने साइबर अपराधों की जड़ पर प्रहार करते हुए एक ऐसे गिरोह को पकड़ा है जो आमजन के बैंक खातों को लाखों रुपये में खरीदकर उनका इस्तेमाल करोड़ों की साइबर ठगी के लिए करते थे। पुलिस ने गिरोह के पास से 53 एटीएम कार्ड, 35 चेकबुक और 1.54 लाख रुपये नगद बरामद किए हैं।

यह गिरोह मुख्य रूप से 'म्यूल अकाउंट' का इंतजाम करता था। आरोपी फर्म के बैंक खातों को बड़ी रकम देकर खरीदते थे और फिर इन खातों में देशभर से साइबर ठगी का पैसा ट्रांसफर किया जाता था। तकनीकी विश्लेषण में सामने आया है कि इन खातों में देश के अलग-अलग राज्यों से जुड़ी कई साइबर फ्रॉड की शिकायतें पहले से दर्ज हैं। ऐसे हुआ गिरोह का पर्दाफाश 9 अप्रैल 2026 को थाना भवानीमंडी के एएसआई अखेराम को गोपनीय सूचना मिली कि ललित राणा नाम का युवक अपने खातों का उपयोग साइबर ठगी के ट्रांजैक्शन के लिए कर रहा है। पुलिस ने जब तकनीकी जांच की तो ठगी के बड़े जाल का खुलासा हुआ। इसके बाद एसपी अमित कुमार और एएसपी भागचंद मीणा के निर्देशन में भवानीमंडी थानाधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

पुलिस ने आरोपियों के ठिकानों पर दबिश देकर आरोपी राजेश राठौर के कब्जे से 43 एटीएम कार्ड, 24 चेकबुक, 09 मोबाइल सिम और 1,54,800 रुपये की फ्रॉड राशि और अजय विश्वकर्मा के कब्जे से 10 एटीएम कार्ड, 06 बैंक पासबुक, 11 चेकबुक और ठगी में प्रयुक्त लैपटॉप बरामद किए।

इस बड़ी सफलता में थानाधिकारी प्रमोद कुमार, सउनि अखेराम और कांस्टेबल तेजेन्द्र सिंह की विशेष भूमिका रही। टीम में कांस्टेबल विकास, रवि दुबे और हरीराम भी शामिल थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस गिरोह के तार किन बड़े अंतरराष्ट्रीय या अंतर्राज्यीय साइबर ठगों से जुड़े हुए हैं।

10,000 से ज्यादा के ऑनलाइन-पेमेंट पर 1 घंटे का होल्डःगलत ट्रांजैक्शन कैंसिल करने का मौका मिलेगा, RBI ने 'किल स्विच' का सुझाव भी दिया

24 न्यूज अपडेट

जल्द ही ऐसा हो सकता है कि आपका 10 हजार से ज्यादा का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन तुरंत न हो। उसमें 1 घंटे की देरी हो सकती है। इससे ग्राहकों को गलत ट्रांजैक्शन रोकने या कैंसिल करने का मौका मिलेगा। देश में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड को रोकने के लिए RBI ने ये प्रस्ताव रखा है।

RBI का मानना है कि जालसाज अक्सर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर जल्दबाजी में पैसे ट्रांसफर करवाते हैं, यह देरी उस दबाव को खत्म करेगी। फिलहाल ज्यादातर डिजिटल ट्रांजैक्शन तुरंत होते हैं, जिससे यूजर को सोचने या गलती सुधारने का मौका नहीं मिलता। 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए सुरक्षा और सख्त होगी। 50,000 रुपए से ज्यादा के ट्रांजैक्शन के लिए एक 'ट्रस्टेड पर्सन' (भरोसेमंद व्यक्ति) की मंजूरी जरूरी हो सकती है। यह फ्रॉड के खिलाफ सुरक्षा की एक दूसरी लेयर की तरह काम करेगा।

अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति या मर्चेंट को पैसे भेज रहे हैं, जिसे आप जानते हैं, तो आप उसे अपनी 'व्हाइटलिस्ट' में शामिल कर सकते हैं। व्हाइटलिस्टेड लोगों को पेमेंट करने पर यह 1 घंटे की देरी लागू नहीं होगी, जिससे नियमित लेन-देन में परेशानी नहीं आएगी।

RBI ने एक 'किल स्विच' का सुझाव भी दिया है। अगर किसी ग्राहक को लगता है कि उसका अकाउंट हैक हो गया है या कोई गलत ट्रांजैक्शन हो रहा है, तो वह एक क्लिक से अपनी सभी डिजिटल पेमेंट सेवाओं को तुरंत बंद कर सकेगा।

पिछले साल देश में डिजिटल फ्रॉड के कारण होने वाला नुकसान 22 हजार करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। RBI के अनुसार 10 हजार रुपए से ऊपर के ट्रांजैक्शन कुल फ्रॉड केस का सिर्फ 45% हैं, लेकिन कुल फ्रॉड वैल्यू में इनकी हिस्सेदारी 98.5% है। इसी को ध्यान में रखते हुए 10 हजार की लिमिट तय की गई है।

5 करोड़ की धोखाधड़ी के 23 वारंटों में फरार आरोपी भोपाल से गिरफ्तार

जयपुर 10 अप्रैल। अलवर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एनआई एक्ट के करोड़ों रुपये के मामलों में पिछले 11 साल से फरार चल रहे एक शातिर अपराधी को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत अरावली विहार थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता अर्जित की है। पुलिस ने मोतीलाल भार्गव पुत्र रामस्वरूप निवासी अल्कापुरी थाना अरावली विहार अलवर हाल निशांतपुरी भोपाल नाम को गिरफ्तार किया है, जो करीब 5 करोड़ रुपये की राशि के चेक बाउंस मामलों और अन्य धोखाधड़ी के कुल 23 स्थाई वारंटों में वर्ष 2015 से फरार चल रहा था।

आरोपी मोतीलाल भार्गव के खिलाफ अलवर के विभिन्न न्यायालयों से एनआई एक्ट के 15 स्थाई वारंट और कोतवाली थाने के 08 स्थाई वारंट जारी थे। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए पिछले 11 सालों से भोपाल (मध्य प्रदेश) में अपनी पहचान छिपाकर किराये के मकान में रह रहा था।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. प्रियंका रघुवंशी और वृत्ताधिकारी उत्तर अंगद शर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी रामेश्वर लाल के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी सहायता और मुखबिरों से मिली आसूचना के आधार पर भोपाल के निशांतपुरा इलाके में दबिश दी।

जहां पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को न्यू चौकसी नगर, भोपाल से धर दबोचा। पूछताछ के दौरान सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ अन्य थानों में भी कई स्थाई और गिरफ्तारी वारंट लंबित हो सकते हैं। पुलिस फिलहाल आरोपी से अन्य मामलों के बारे में गहनता से पूछताछ कर रही है और संबंधित थानों से रिकॉर्ड साझा किया जा रहा है।

इस सफल कार्यवाही में अरावली विहार थाना पुलिस से एसएचओ रामेश्वर लाल, हैड कांस्टेबल राजाराम, कांस्टेबल मो. साहिद, युवराज (विशेष भूमिका) एवं श्रीमती सुनिता शामिल थे।

चांदी आज 3776 बढ़कर 2.40 लाख पर पहुंचीःसोना 390 महंगा होकर 1.50 लाख पार, इस साल 17 हजार दाम बढ़े

24 न्यूज अपडेट

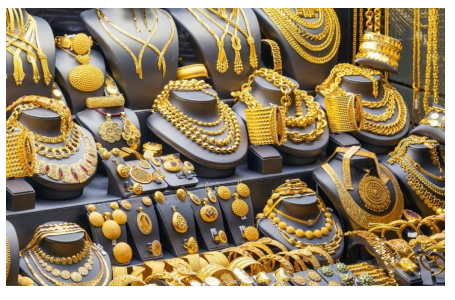

सोना-चांदी के दाम में शुक्रवार को तेजी रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी 3,776 रुपए बढ़कर 2,39,934 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले 9 अप्रैल को कीमत 2,36,158 रुपए प्रति किलो थी।

वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 390 रुपए बढ़कर 1,50,327 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले गुरुवार को कीमत 1,49,937 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

संपादकीय : आशंकाओं के बीच

पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे संकट के बीच यह पहला मौका था, जब ईरान और इजराइल - अमेरिका के बीच चौदह दिनों के युद्धविराम पर सहमति बनी थी। मगर इजराइल ने बुधवार को ही जिस तरह लेबनान पर हमला किया, उससे साफ है कि बुद्धविराम में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है। गौरतलब है कि लेबनान पर इजराइली हमले में दो सौ से ज्यादा आम लोग मारे गए। विचित्र है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका और इजराइल साझा मोर्चे के तहत हमले कर रहे थे, लेकिन जब दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी, तो उसे ठोस आकार देने के बजाय इजराइल ने समझौते को तोड़ने की पृष्ठभूमि बनानी शुरू कर दी। जबकि इस बीच इजराइल और अमेरिका की ओर से जिस तरह की बेलगाम बयानबाजियां जारी रहीं, उससे पहले ही हालात और बिगड़ने की आशंका बनी हुई थी। विडंबना यह भी है कि लेबनान पर इजराइल के हमले के बाद अब ईरान ने फिर से होर्मन जलमार्ग को बंद करने की घोषणा की है। निश्चित रूप से ईरान के इस रुख को उसकी प्रतिक्रिया कहा जा सकता है, लेकिन सवाल है कि इस समूचे परिदृश्य में किसी भी पक्ष की जिद और अकड़ का नतीजा क्या निकल रहा है ! इजराइल और अमेरिका ने जिस दिन ईरान पर साझा हमला किया था, तभी से यह आशंका बनी हुई थी कि इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। इसके बाद ईरान ने स्वाभाविक ही रणनीति के तहत होर्मुज जलमार्ग को बाधित कर दिया और उसके बाद दुनिया के ज्यादातर देशों में प्राकृतिक तेल और गैस की आपूर्ति रुक गई। जिन देशों के पास इसके विकल्प थे, वहां के हालात अपेक्षया नियंत्रण में रहे, लेकिन भारत सहित बहुत सारे ऐसे देश हैं, जहां पेट्रोल-डीजल से लेकर रसोई गैस का संकट पैदा हो गया और आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ऐसे में युद्धविराम की घोषणा के बाद यह उम्मीद जगी थी कि अब होर्मुज जलमार्ग के खुलने से जहाजों की आवाजाही का रास्ता खुलेगा और स्थिति सुधरेगी। मगर लेबनान पर इजराइल के ताजा हमले में जिस तरह बड़े पैमाने पर आम लोगों की मौत की खबर आई है और उसके बाद ईरान ने जैसी प्रतिक्रिया दी है, उससे एक बार फिर शांति की उम्मीदों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। सवाल है कि अगर युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी इजराइली हमले रोकना शामिल था, तो इस पर अमल के बजाय इसे ताक पर रख कर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने के पीछे कौन-सी मंशा काम कर रही है। यही नहीं, इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो इजराइल फिर से ईरान के खिलाफ लड़ाई शुरू करेगा। खुद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस भड़काऊ लहजे में बात कर रहे हैं, उसे कैसे देखा जाएगा ? हैरानी की बात है कि ट्रंप युद्धविराम और उसकी शर्तों पर सहमति जताने के बाद लेबनान पर हमले के मसले को समझौते से अलग बताते हैं। क्या इसे क्षति के लिए हुई पहलकदमी को कमजोर करने की तरह नहीं देखा जाएगा ? दूसरी ओर, ईरान ने कहा कि युद्धविराम और इजराइल के जरिए जंग, दोनों साथ नहीं चल सकते। ऐसे में यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि युद्धविराम कितने दिनों तक बना रहेगा। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पश्चिम एशिया के इस युद्ध का खमियाजा दुनिया के ज्यादातर देश उठा रहे हैं। और अगर स्थायी युद्धविराम का रास्ता नहीं निकाला गया, तो इसके विपरीत असर को संभालना मुश्किल हो जाएगा।

संकट का दायरा

ईरान और अमेरिका - इजराइल के बीच युद्ध के नतीजे दिखने लगे हैं। ऊर्जा संकट गहराने के साथ पूरी दुनिया अब इसके व्यापक परिणामों से निपटने की तैयारी कर रही है। होर्मुज जलमार्ग से ईंधन आपूर्ति की जो श्रृंखला टूटी है, वह कब नियमित होगी, कुछ कहा नहीं जा सकता । मगर इससे कई देशों के सामने चौतरफा संकट जरूर पैदा हो गया है। वैश्विक स्तर पर ईंधन और परिवहन की लागत बढ़ने लगी है मुश्किल भरे इस दौर में विश्व बैंक, मुद्रा कोष और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्लूएफपी) ने सचेत किया है कि पश्चिम एशिया के वैश्विक ऊर्जा बाजारों में युद्ध ने जो व्यवधान पैदा किया है, उससे खाद्य कीमतों और खाद्य सुरक्षा पर व्यापक असर पड़ेगा। इन तीनों संस्थाओं के इस बयान को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि बढ़ती खाद्य कीमतों का सबसे अधिक बोझ दुनिया की कमजोर आबादी पर पड़ेगा। हालांकि इन संगठनों का कहना है कि वे संभावित स्थितियों पर निगाह रखेंगे और संकट से प्रभावित लोगों की मदद के लिए उपलब्ध संसाधनों का समन्वय करेंगे। मगर सवाल है कि इस विकट दौर में करोड़ों लोगों तक कैसे और किस हद तक मदद पहुंचेगी ? युद्ध के असर के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने जिस तरह आगाह किया है, इससे समझा जा सकता है कि पूरी दुनिया पर खाद्य संकट मंडरा रहा है। युद्ध के दौरान होमूंज जलमार्ग बंद होने से उर्वरकों की आपूर्ति में जो बाधा आई है, इसका प्रभाव स्वाभाविक रूप से भारत सहित दुनिया के कई देशों पर पड़ेगा। नतीजा यह होगा कि कम और महंगा यूरिया मिलने से खेती की लागत बढ़ेगी। दूसरी ओर, आने वाले समय में पेट्रोल-डीजल के दाम तेजी से बढ़ेंगे, तो माल की बुलाई भी महंगी होगी। ऐसे में महंगाई को संभालना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। चिंता की बात यह है कि युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था का जो नुकसान हुआ है, अभी उसी का पूरी तरह आकलन नहीं हो पाया है। इस स्थिति में खाद्य कीमतों में संभावित वृद्धि की चेतावनी डराने वाली है। अमेरिका और ईरान में दो सप्ताह के युद्ध विराम के बीच आयात निर्भर देशों के लिए यह सोचने का समय है कि ईंधन और खाद्य की कीमतों को वे कैसे नियंत्रित करेंगे।

धारा-144 उल्लंघन केस में रविन्द्र भाटी की पेशी, बोले-लव एंड वार में सब जायज!!

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। कोरोनाकाल के दौरान कलेक्ट्रेट पर हुए प्रदर्शन से जुड़े धारा-144 उल्लंघन मामले में शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी शुक्रवार को उदयपुर न्यायालय में पेश हुए। पेशी के दौरान भाटी ने अपने पुराने छात्र आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि "यूनिवर्सिटी के दौर में छात्र हितों के लिए जो संघर्ष किया, उसके घाव आज भी बने हुए हैं।" कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अगली सुनवाई पर निर्णय सुरक्षित रखा है। मामला 16 अगस्त 2021 का है, जब कोरोना प्रतिबंधों के बीच फीस वृद्धि के विरोध में प्रदेशभर में प्रदर्शन हुए थे। उदयपुर कलेक्ट्रेट पर भी छात्रों और समर्थकों ने धरना दिया था, जिसमें भाटी भी शामिल रहे। इसी दौरान प्रशासन ने धारा-144 के उल्लंघन का मामला दर्ज किया था। अब करीब तीन साल बाद यह मामला न्यायालय में सुनवाई के अंतिम चरण में पहुंचता दिखाई दे रहा है। कोर्ट परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए भाटी ने इस प्रकरण को "राजनीतिक द्वेष" का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि उस समय छात्र हितों की आवाज उठाना जरूरी था, भले ही परिस्थितियां कठिन थीं। "फीस के मुद्दे पर पूरे प्रदेश में आवाज उठी थी, और उदयपुर भी उससे अछूता नहीं था," उन्होंने जोड़ा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें न्यायालय पर पूरा भरोसा है और वे कानून की प्रक्रिया का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि लव वार एंड पोलिटिक्स में सब कुछ जायज है। पेशी के दौरान वकीलों ने लंबे समय से लंबित उदयपुर में हाईकोर्ट बेंच की मांग का मुद्दा भी उठाया। इस पर भाटी ने समर्थन जताते हुए कहा कि वे इस मांग को राज्य और केंद्र स्तर पर मजबूती से उठाएंगे। साथ ही विधानसभा की प्रश्न एवं संदर्भ समिति में अपनी नई जिम्मेदारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जनहित के सवालों के जवाब समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से मिलना सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

कोल्ड ड्रिंक और मोबाइल का लालच देकर नाबालिग से छेड़छाड़, सुलभ कॉम्प्लेक्स का कर्मचारी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के महाराणा भूपाल चिकित्सालय में नाबालिग के साथ छेड़छाड़ का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत के आधार पर हाथीपोल थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी सुरक्षा कर्मी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। न्यायालय में पेश किया है। घटना के बाद अस्पताल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, 12 मार्च को बच्ची के पिता को इलाज के लिए एमबी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी देखभाल के लिए नाबालिग बच्ची अपनी दादी के साथ अस्पताल में रुकी हुई थी। बच्ची रोज अपनी दादी के साथ स्नान के लिए परिसर के सुलभ कॉम्प्लेक्स में जाती थी। लेकिन गुरूवार को दोपहर बाद दादी के व्यस्त होने के कारण बच्ची अकेले ही नहाने चली गई।

बच्ची ने पुलिस को बताया कि स्नान के बाद बच्ची सुलभ के बरामदे में लगे कांच के सामने खड़ी होकर बाल संवार रही थी। इसी दौरान वहां तैनात सुरक्षा कर्मी धर्मेंद्र ने उसे पकड़ लिया और अभद्र हरकत करने लगा। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने उसे कोल्ड ड्रिंक देने की कोशिश की, जिसे उसने मना करते हुए गिरा दिया। इसके बाद आरोपी ने बाथरूम की ओर इशारा कर उसे अंदर आने के लिए कहा और शाम को मिलने के लिए दबाव बनाते हुए मोबाइल व पैसे देने का लालच भी दिया। एफआईआर के अनुसार, पीड़िता ने यह भी बताया कि आरोपी ने पीछे से उसकी कमर पकड़कर छाती पर हाथ लगाया और जब वह रोने लगी तो उसे शांत रहने के लिए कहा तथा शाम को आने पर मोबाइल दिलाने की बात कही। किसी तरह वह खुद को छुड़ाकर सुलभ शौचालय से बाहर निकली और ट्रॉमा वार्ड के बाहर जाकर बैठकर रोने लगी। वहां मौजूद गार्ड ने उसे रोते हुए देखा और एक महिला गार्ड को बुलाया, जिसके बाद पीड़िता ने पूरी घटना की जानकारी दी।

घटना से बुरी तरह से घबराई बच्ची किसी तरह वहां से निकल कर भागी और अपनी दादी व पिता को पूरी बात बताई। सूचना मिलते ही परिजन और अन्य लोग मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई, जिस पर एएसआई जितेन्द्र सिंह मौके पर पहुंचे और आरोपी को हिरासत में लिया। बताया जा रहा है कि घटना दोपहर करीब 2:30 से 3:00 बजे के बीच की है।

थानाधिकारी श्रीमती राजुदेवी राज के निर्देशन में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 75(1)(i)(ii) एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 11/12 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी की पहचान धर्मेंद्र झा (33) निवासी वैशाली (बिहार), हाल कार्यरत एमबी अस्पताल उदयपुर के रूप में हुई है। इस घटना के बाद अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था, विशेषकर संवेदनशील स्थानों पर ठेका कंपनियों की ओर से नियुक्तियों की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

महिला की संदिग्ध मौत पर बवाल, परिजनों ने किया प्रतापनगर थाने का घेराव, पति-ससुराल पर लगाए हत्या के आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र के बेडवास में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद मामला तूल पकड़ गया है। मृतका के परिजनों ने पति और ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। घटना को लेकर क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार, भावना कुंवर नामक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हुई थी। परिजनों का आरोप है कि यह एक सुनियोजित हत्या है, जिसमें पति और ससुराल पक्ष की भूमिका है। इसके बावजूद अब तक मामला दर्ज नहीं होने पर परिवार और समाज के लोगों ने नाराजगी जताई है। घटना के विरोध में शुक्रवार को राजपूत समाज सहित विभिन्न ग्रामीणों और संगठनों के लोगों ने प्रतापनगर थाने का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि मामले में अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। करणी सेना और अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी आरोप लगाया कि घटना के बाद से पुलिस की कार्यवाही संतोषजनक नहीं रही है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने सड़क पर उतरकर विरोध जताया और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। मौके पर पहुंचे डिप्टी सूर्यवीर सिंह ने प्रदर्शनकारियों से समझाइश करते हुए बताया कि मामले की जांच एडीएम स्तर पर की जा रही है और रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत, कुबेर सिंह चावड़ा सहित करणी सेना के अर्जुन सिंह, परमवीर सिंह और प्रवीण सिंह समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

यश गमेती ने थांग-था में उदयपुर ने पहली बार जीता स्वर्ण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पारंपरिक मार्शल आर्ट थांग-था में मेवाड़ ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई है। उदयपुर के युवा खिलाड़ी यश गमेती ने मणिपुर की राजधानी इम्फाल स्थित मणिपुर विश्वविद्यालय में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी थांग-था प्रतियोगिता 2026 में -46 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह उदयपुर के लिए इस खेल में पहला स्वर्ण पदक है। 6 से 9 अप्रैल तक चले राष्ट्रीय आयोजन में यश ने महाराणा भूपाल विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार तकनीक और संतुलन का प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि यह उनका पहला इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट था और पहले ही प्रयास में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर खुद को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर लिया। यश गमेती की इस उपलब्धि को केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि उदयपुर में उभरते मार्शल आर्ट्स कल्चर की बड़ी पहचान के रूप में देखा जा रहा है। थांग-था जैसे पारंपरिक और तकनीकी खेल में सफलता हासिल करना आसान नहीं होता, जिसमें शारीरिक क्षमता के साथ मानसिक एकाग्रता भी अहम भूमिका निभाती है। यश, द ज़ील मार्शल आर्ट्स एंड फिटनेस पॉइंट के प्रशिक्षु हैं, जहां उन्होंने लगातार अभ्यास और अनुशासन के जरिए अपनी क्षमता को निखारा।

पेड़ से गिरकर महिला की मौत, करंट लगने के बाद नाले में गिरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सायरा थाना क्षेत्र के तिरोल गांव में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में महिला की मौत हो गई। बकरियों के लिए पेड़ से पत्तियां तोड़ते समय करंट लगने के बाद महिला नीचे गिर गई और पास के नाले में डूबने से उसकी जान चली गई। पुलिस के अनुसार, तिरोल निवासी चेतन सिंह ने रिपोर्ट दी कि उनकी माताजी चम्पाबाई (पत्नी प्रताप सिंह) 9 अप्रैल को सुबह करीब 9:15 बजे बकरियों के लिए पत्तियां लेने गई थीं। इसी दौरान वह पेड़ पर चढ़कर डालियां काट रही थीं, तभी कटकर गिर रही एक टहनी पास से गुजर रही विद्युत लाइन के संपर्क में आ गई। इससे महिला को करंट का झटका लगा और वह संतुलन खोकर नीचे गिर गई। बताया गया कि पेड़ के पास ही एनीकट नाले में पानी भरा हुआ था, जिसमें गिरने के कारण महिला डूब गई। आसपास मौजूद लोगों ने महिला को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में करंट लगने और पानी में डूबने से मौत होना सामने आया है।

उदयपुर में अवैध गैस सिलेंडर भंडारण का मामला, दो प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण व दुरुपयोग का मामला सामने आया है। अंबामाता थाना क्षेत्र में रसद विभाग की कार्रवाई के बाद पुलिस ने आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गौरेला रोड स्थित कार्तिक इंटरप्राइजेज और गौरव इंटरप्राइजेज में अवैध रूप से गैस सिलेंडरों को जमा कर उनका दुरुपयोग किया जा रहा था। इस संबंध में प्रवर्तन अधिकारी डॉ. निशा मुंदड़ा (56), जिला रसद कार्यालय, गिर्वा की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत में आरोप है कि संबंधित प्रतिष्ठानों द्वारा घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों को नियमों के विरुद्ध कब्जे में रखकर उनका उपयोग किया जा रहा था, जो आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 का उल्लंघन है। पुलिस ने धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। थानाधिकारी के अनुसार, मामले की जांच जारी है और संबंधित प्रतिष्ठानों से जुड़े व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिरणमगरी थाना क्षेत्र में एक और वाहन चोरी की घटना सामने आई है। पानेरियों की मादड़ी इलाके में घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल को अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना 3 अप्रैल सुबह करीब 6 बजे की है। पीड़ित रमेश कुमार डिंडोर (27), निवासी भागा तालाब (जिला डूंगरपुर), वर्तमान में पानेरियों की मादड़ी क्षेत्र में रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी मोटरसाइकिल घर के बाहर खड़ी थी, जिसे अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने 9 अप्रैल को हिरणमगरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। थाना पुलिस के अनुसार, क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है और संदिग्धों की तलाश जारी है।

जिला स्तरीय जनसुनवाई 16

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 अप्रैल। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए लागू त्रि स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय जनसुनवाई माह के तीसरे गुरूवार 16 अप्रैल को सुबह 11 से 2 बजे तक राजस्थान संपर्क आईटी केंद्र में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में होगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को जनसुनवाई के दौरान अपने विभाग से संबंधित लंबित एवं निस्तारित प्रकरणों की प्रगति रिपोर्ट के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

11 साल 4 महीने 24 दिन बाद जेल से बाहर आए रामपाल, मुस्कुराते हुए निकला काफिला, हाईकोर्ट से मिली जमानत

24 न्यूज अपडेट

हिसार/हरियाणा। सतलोक आश्रम प्रकरण में उम्रकैद की सजा काट रहे रामपाल शुक्रवार को 11 साल 4 महीने 24 दिन बाद हिसार की सेंट्रल जेल-2 से रिहा हो गए। जेल से बाहर आते समय रामपाल मुस्कुराते हुए नजर आए और इस दौरान वहां मौजूद एक पुलिसकर्मी ने हाथ जोड़कर उन्हें प्रणाम भी किया। जेल गेट के बाहर रामपाल के परिजन और समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद थे। रिहाई के बाद वह सफेद पर्दे से ढकी फॉर्च्यूनर में बैठकर रवाना हुए। इसके बाद उनका काफिला सोनीपत जिले के गोहाना स्थित धनाना के सतलोक आश्रम के लिए निकल गया। रामपाल के काफिले में करीब 20 गाड़ियां शामिल रहीं, जिनमें डिफेंडर और फॉर्च्यूनर जैसी लग्जरी गाड़ियां भी देखी गईं। हरियाणा पुलिस की एक गाड़ी पूरे काफिले को एस्कॉर्ट करती नजर आई। धनाना गांव में उनके समर्थकों की भारी भीड़ जुटी रही। रामपाल के भतीजे युद्धवीर ने बताया कि गांव से करीब एक किलोमीटर पहले उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। समर्थकों ने इस दिन को "दिवाली जैसा उत्सव" बताया। गौरतलब है कि 8 अप्रैल को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने रामपाल की नियमित जमानत मंजूर की थी। इसके बाद अदालत के आदेश पर उनके वकीलों ने हत्या के दो मामलों में 5-5 लाख रुपये के बेल बॉन्ड जमा करवाए।

2014 के टकराव में हुई थी 6 मौतें

नवंबर 2014 में पुलिस और सतलोक आश्रम समर्थकों के बीच हुए टकराव के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें महिलाओं और बच्चों समेत 6 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद रामपाल की गिरफ्तारी हुई थी। 2018 में हिसार कोर्ट ने उन्हें हत्या सहित कई मामलों में दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि रामपाल करीब 11 साल से अधिक समय से जेल में हैं और ट्रायल बेहद धीमी गति से चल रहा है। वहीं सरकारी पक्ष ने गंभीर आरोपों का हवाला देते हुए जमानत का विरोध किया था। अदालत ने माना कि कई सह-आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है और लंबी कैद को देखते हुए यह मामला जमानत योग्य है। हालांकि कोर्ट ने कड़ी शर्तें लगाई हैं, जिनमें भीड़ एकत्र न करने और किसी भी तरह की गतिविधि में शामिल न होने का निर्देश शामिल है।

थर्मल प्लांट हादसे के बाद समझौता, पत्नी को आजीवन पेंशन, 5 लाख मुआवजा

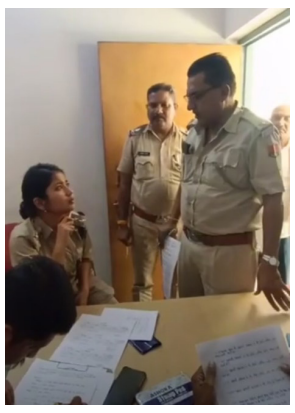

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। दाहोद मार्ग स्थित औद्योगिक क्षेत्र में सिंटेक्स मिल के थर्मल पावर प्लांट में हुए हादसे के बाद उत्पन्न विवाद शुक्रवार को समझौते के साथ समाप्त हो गया। मिल प्रबंधन और मृतक के परिजनों के बीच लंबी वार्ता के बाद सहमति बनी, जिसके बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। राजतालाब थाना पुलिस के अनुसार, समझौते के तहत मृतक की पत्नी को 5 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा, साथ ही परिवार के भरण-पोषण के लिए 15 हजार रुपए प्रतिमाह आजीवन पेंशन देने पर भी सहमति बनी है। इस निर्णय के बाद करीब 28 घंटे से जारी विरोध समाप्त हुआ। गौरतलब है कि हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने शव लेने से इनकार कर दिया था और मिल गेट पर धरना देकर उचित मुआवजे की मांग कर रहे थे। गुरुवार रात से शुरू हुआ यह विरोध शुक्रवार दोपहर तक जारी रहा। स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया था। मामला गुरुवार सुबह का है, जब गणाऊ निवासी 30 वर्षीय मोहन खराड़ी थर्मल प्लांट में मशीन ऑपरेटर के रूप में कार्यरत थे। बताया गया कि बॉयलर में कोयला डालते समय अचानक चालू हुई कन्वेयर बेल्ट की चपेट में आने से वह मशीन में फंस गए। गंभीर चोटों के चलते उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों का आरोप था कि मिल प्रबंधन ने उन्हें समय पर सूचना नहीं दी और सीधे शव को मॉर्च्युरी भिजवा दिया, जिससे आक्रोश और बढ़ गया। मृतक अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। उसके पीछे 7 माह की गर्भवती पत्नी और 3, 5 व 8 वर्ष की तीन बेटियां हैं। घटना के बाद परिवार पर आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि मौके पर पर्याप्त स्टाफ या हेल्पर होता, तो संभवतः हादसा टल सकता था। पुलिस के अनुसार, समझौते के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई नियमानुसार जारी रहेगी।

भीलवाड़ा में सड़क किनारे खड़ी कार में लगी आग, दमकल ने पाया काबू

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। शहर के सांगानेरी गेट क्षेत्र में शुक्रवार को सड़क किनारे खड़ी एक कार में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना सुभाष नगर थाना क्षेत्र में हुई, जहां स्थानीय लोगों की सतर्कता और बाद में दमकल की मदद से आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक कार पूरी तरह जलकर नष्ट हो चुकी थी। जानकारी के अनुसार, सांगानेरी गेट रोड पर एक कार पिछले कुछ दिनों से खड़ी थी। शुक्रवार को अचानक उसमें से धुआं उठता दिखाई दिया और देखते ही देखते आग भड़क गई। कार में आग लगती देख आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास शुरू किए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, लोगों ने अपने स्तर पर बाल्टियों और केन में पानी भरकर आग बुझाने का प्रयास किया। लगातार प्रयासों के बावजूद आग तेजी से फैलती रही। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। सूचना पर सुभाष नगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने कार मालिक की पहचान करने और आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं।

उदयपुर में ऑटो पार्किंग विवाद ने लिया उग्र रूप, महिला ड्राइवर और दुकानदार में मारपीट

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पुराने शहर के गड़िया देवरा क्षेत्र में गुरुवार शाम एक मामूली पार्किंग विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जब महिला ऑटो ड्राइवर और एक दुकानदार के बीच कहासुनी मारपीट में बदल गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों पक्षों के बीच सड़क पर डंडों से झगड़ा होते देखा जा सकता है। जानकारी के अनुसार, शाम करीब 6:30 बजे एक दुकान के सामने ऑटो खड़ा करने को लेकर महिला ड्राइवर और दुकानदार यशवंत वैष्णव के बीच विवाद शुरू हुआ। शुरुआत में यह मामूली कहासुनी थी, लेकिन कथित रूप से अपशब्द कहे जाने के बाद मामला बिगड़ गया। गुस्से में महिला ड्राइवर हाथ में डंडा लेकर दुकान के अंदर पहुंच गई, जिसके बाद दुकानदार ने भी लकड़ी से हमला कर दिया। दोनों के बीच करीब तीन से चार मिनट तक मारपीट होती रही। घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति को नियंत्रित किया। इस दौरान कुछ लोगों ने दुकानदार की पिटाई भी कर दी। हंगामे के चलते क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए। शुक्रवार को महिला ड्राइवर ने घंटाघर थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी दुकानदार को डिटेन कर लिया। थानाधिकारी कर्मवीर सिंह के अनुसार, पुलिस वीडियो फुटेज और आसपास के लोगों के बयान के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। दूसरी ओर, दुकानदार का कहना है कि महिला ड्राइवर रोजाना उसकी दुकान के सामने ऑटो खड़ा करती है और मना करने पर विवाद करती है। वहीं, महिला का आरोप है कि दुकानदार उसे जानबूझकर परेशान करता है और गाली-गलौज करता है। फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों के बयान लेकर मामले की जांच में जुटी है।

सब्जी मंडी के बाहर युवक से मारपीट, दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। हिरणमगरी थाना क्षेत्र में सब्जी मंडी के बाहर एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना 27 मार्च शाम करीब 6 बजे की है, जब भूताला (गोगुंदा) निवासी गणेश सिंह (25), जो वर्तमान में सविना मेन रोड क्षेत्र में रहकर मजदूरी करता है, सब्जी मंडी के बाहर मौजूद था। इसी दौरान बरकत कॉलोनी, सविना निवासी अनवर हुसैन और असलम ने उसके साथ मारपीट की। पीड़ित ने आरोप लगाया कि दोनों आरोपियों ने उसे घेरकर हमला किया, जिससे उसे चोटें आईं। घटना के संबंध में रिपोर्ट एसपी कार्यालय के माध्यम से पुलिस तक पहुंची, जिसके आधार पर 9 अप्रैल को हिरणमगरी थाने में प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 115(2), 126(2), 189(2) और 324(4) के तहत मामला दर्ज किया है। थाना पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों की तलाश की जा रही है और पूरे घटनाक्रम की जांच जारी है।

खैरथल रेलवे स्टेशन का कायाकल्पः आधुनिक सुविधाओं से बढ़ेगी कनेक्टिविटी, खुलेंगे नए आर्थिक अवसर

24 न्यूज अपडेट

खैरथल। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल में स्थित खैरथल रेलवे स्टेशन अब आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होकर क्षेत्र के विकास का नया आधार बनने जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हुए व्यापक पुनर्विकास कार्यों ने इस स्टेशन को न केवल अधिक यात्री-अनुकूल बनाया है, बल्कि इसे क्षेत्रीय व्यापार और कनेक्टिविटी के प्रमुख केंद्र के रूप में भी स्थापित किया है। अलवर जिले का प्रमुख व्यापारिक केंद्र होने के कारण खैरथल पहले से ही अनाज और सब्जी मंडी के लिए जाना जाता है। किशनगढ़ बास, तिजारा और आसपास के क्षेत्रों के लिए यह स्टेशन एक महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र रहा है। वर्तमान में यहां 46 ट्रेनों का ठहराव है और औसतन करीब 4,800 से अधिक यात्री प्रतिदिन इस स्टेशन का उपयोग करते हैं, जो इसकी बढ़ती उपयोगिता को दर्शाता है। करीब 12.79 करोड़ रुपये की लागत से किए गए पुनर्विकास कार्यों में स्टेशन भवन का पूर्ण नवीनीकरण किया गया है और नए पोर्च का निर्माण किया गया है। सर्कुलेटिंग एरिया को 1200 वर्ग मीटर से बढ़ाकर 3600 वर्ग मीटर किया गया है, जिससे यातायात प्रबंधन में सुधार होगा। इसके साथ ही अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार बनाए गए हैं तथा दोपहिया और चारपहिया वाहनों के लिए पृथक पार्किंग की सुविधा भी विकसित की गई है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 4.19 करोड़ रुपये की लागत से 12 मीटर चौड़ा आधुनिक फुटओवर ब्रिज (एफओबी) बनाया गया है, जिसमें रैंप और कवर शेड की व्यवस्था है। प्लेटफॉर्म शेल्टर का विस्तार किया गया है और लगभग 4,197 वर्ग मीटर क्षेत्र में प्लेटफॉर्म सतह का नवीनीकरण किया गया है। स्टेशन भवन के भीतर 300 वर्ग मीटर क्षेत्र में कलात्मक चित्रांकन कर स्थानीय संस्कृति की झलक भी प्रस्तुत की गई है। इसके अलावा, नए प्रतीक्षा कक्षों का निर्माण, शौचालयों का आधुनिकीकरण और दिव्यांगजन के लिए हेल्प बूथ, रैंप, विशेष टिकट विंडो, साइनज और बैठने की व्यवस्था जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। ये सभी प्रयास स्टेशन को समावेशी और सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। पुनर्विकास के बाद खैरथल रेलवे स्टेशन न केवल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा, बल्कि क्षेत्र में व्यापार, रोजगार और आवागमन के नए अवसर भी सृजित करेगा। यह परियोजना स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को गति देने के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को भी नई दिशा देने की क्षमता रखती है।

CRIME NEWS

महिला को बुलाकर मारपीट व जबरन स्टाम्प लिखवाने का आरोप, चार नामजद के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के हिरण मगरी थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ मारपीट कर जबरन स्टाम्प पेपर पर दस्तावेज लिखवाने का मामला सामने आया है। पारिवारिक संपत्ति विवाद से जुड़े इस प्रकरण में पुलिस ने न्यायालय के निर्देश पर चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, सेक्टर-3 निवासी सारिका तेली (पत्नी स्व. मुकेश तेली), मूल निवासी करियाणा (तहसील सागवाड़ा, जिला डूंगरपुर) ने शिकायत में बताया कि पारिवारिक जायदाद के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि इसी विवाद के चलते उन्हें योजनाबद्ध तरीके से अपने घर बुलाया गया, जहां उनके साथ मारपीट की गई और दबाव बनाकर स्टाम्प पेपर पर दस्तावेज लिखवा लिए गए। प्रकरण में मनोहर लाल यादव, कलावती यादव, नीमा यादव और रमिला को नामजद किया गया है, जो डूंगरपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों के निवासी बताए गए हैं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 61(2), 62, 356(2) तथा आईटी एक्ट की धारा 66(ई) के तहत मामला दर्ज किया है। थाना पुलिस के अनुसार, यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। संबंधित पक्षों के बयान दर्ज कर साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने पारिवारिक विवादों में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्तियों को लेकर चिंता भी बढ़ाई है।

बुजुर्ग से चेन स्नेचिंग, बाइक सवार बदमाश सोने की चेन लेकर फरार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में चेन स्नेचिंग की एक और वारदात सामने आई है, जहां अज्ञात बदमाशों ने एक बुजुर्ग के गले से सोने की चेन झपट कर फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, वारदात 9 अप्रैल को शाम करीब 4:56 बजे पुरोहितों की मादड़ी इलाके में हुई। पीड़ित वालूराम डांगी (60), निवासी लकड़वास हाल रोड नंबर 4, पुरोहितों की मादड़ी, अपने घर के पास थे, तभी अज्ञात बदमाशों ने मौका देखकर उनके गले से सोने की चेन झपट ली और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने रात 10:15 बजे प्रतापनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 304(2) के तहत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। थाना पुलिस के अनुसार, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्धों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर जल्द ही गिरफ्तारी का प्रयास किया जाएगा। घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है, खासकर बुजुर्गों के लिए सतर्क रहने की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है।

हॉस्टल के बाहर से वाहन चोरी, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में स्थित सिख कॉलोनी इलाके में एक हॉस्टल के बाहर खड़े वाहन की चोरी का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना 6 अप्रैल दोपहर करीब 3:51 बजे की है, जब सिख कॉलोनी स्थित जीजा हॉस्टल के बाहर खड़ा वाहन चोरी हो गया। इस संबंध में पीड़ित तेजराज पारीक (26), निवासी पारीकों का बास, लाम्बिया (जिला ब्यावर) ने 9 अप्रैल को सूरजपोल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में बताया गया है कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा हॉस्टल के बाहर खड़े वाहन को चोरी कर लिया गया। घटना के समय वाहन हॉस्टल परिसर के पास खड़ा था, जिसे मौका पाकर आरोपी लेकर फरार हो गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। थानाधिकारी के अनुसार, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है और संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी गई है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

RTI में खुलासा: महंगी किताब-यूनिफॉर्म की शिकायतों पर ठोस कार्रवाई नहीं, जांच टीम बनाने की नौटंकी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। निजी स्कूलों में किताबों, यूनिफॉर्म और अन्य सामग्री की अनिवार्य खरीद को लेकर अभिभावकों की शिकायतों के बीच एक RTI के जवाब ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पत्रकार जयवंत भैरविया द्वारा मांगी गई जानकारी के जवाब में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने बताया कि शिकायत पर कार्रवाई होगी। फिलहाल जांच प्रक्रिया जारी है। मगर धरातल पर हकीकत ये है कि किताबें युनिफार्म सुनियोजित तरीके से महंगे दामों पर मनमाने दामों पर बेची जा चुकी है। खुद उन सरकारी अफसरों व शिक्षा विभाग के अफसरों ने खरीदी है जिनके जिम्मे जांच का जिम्मा है मगर उन्होंने खुद विरोध नहीं किया है क्योंकि वे खुद जानते हैं कि यह सिस्टम का पार्ट है, खाओ खिलाओ संस्कृति का अभिन्न हिस्सा और दस्तूर जिसमें अब लोगों ने बोलना, शिकायत करना तक खत्म कर दिया है क्योंकि परसेप्शन चला गया है कि यहां सब मिले हुए हैं होता कुछ भी नहीं। जयवंत भैरविया की RTI में तीन प्रमुख बिंदुओं पर जानकारी मांगी गई थी—ऐसे निजी स्कूलों की सूची जहां स्कूल से ही बैग, स्टेशनरी और यूनिफॉर्म खरीदना अनिवार्य है; ऐसे स्कूल जहां अधिकृत दुकानों से महंगी किताबें लेना जरूरी किया गया है; और इस संबंध में अब तक जिला प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई। जवाब में विभाग ने स्पष्ट सूची देने के बजाय यह कहा कि निर्देशानुसार जांच के लिए सभी ब्लॉकों में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में टीमें गठित कर दी गई हैं।

विभागीय पत्र के अनुसार, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के निर्देश पर 3 सदस्यीय समितियां बनाकर 15 अप्रैल से पहले सभी निजी विद्यालयों का निरीक्षण किया जाएगा। इन समितियों को यह जांचने के निर्देश दिए गए हैं कि क्या स्कूलों द्वारा किताबें, यूनिफॉर्म, जूते, टाई आदि के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का पालन किया जा रहा है या नहीं। जांच रिपोर्ट 18 अप्रैल तक जिला कार्यालय को भेजी जाएगी। पृष्ठभूमि में यह सामने आया है कि विभिन्न स्रोतों से विभाग को लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कई निजी विद्यालय निर्धारित नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं और अभिभावकों को विशेष दुकानों से महंगी सामग्री खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है। हालांकि, RTI के जवाब में तत्काल कार्रवाई या दोषी स्कूलों के खिलाफ कोई ठोस कदम सामने नहीं आने से अभिभावकों में असंतोष बना हुआ है। अब निगाहें जांच टीमों की रिपोर्ट पर टिकी हैं, जब तक रिपोर्ट आएगी तब तक पानी सिर से गुजर चुका होगा। ऐसे में रिपोर्ट में मजाक से ज्यादा कुछ बनकर नहीं रह जाएगी।

उपराष्ट्रपति भवन में सिंधी संविधान का विमोचन, उदयपुर के पांच प्रतिनिधियों ने बढ़ाया मेवाड़ का मान

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली/उदयपुर। सिंधी भाषा दिवस पर आज नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में भारतीय संविधान के सिंधी भाषा संस्करण का ऐतिहासिक विमोचन संपन्न हुआ। राष्ट्रीय आयोजन में उदयपुर से पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भाग लेकर मेवाड़ और राजस्थान के सिंधी समाज को राष्ट्रीय मंच पर गौरवपूर्ण उपस्थिति दिलाई। इस गरिमामय समारोह में देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने संविधान के सिंधी संस्करण (देवनागरी एवं फारसी लिपि) का विधिवत विमोचन किया। कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी तथा इंदौर सांसद शंकर लालवानी सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। उदयपुर से शामिल प्रतिनिधिमंडल में सिंधी सेंट्रल युवा संगठन के अध्यक्ष विजय आहुजा, महासचिव मुकेश खिलवानी, उपाध्यक्ष कमल पाहुजा, अशोक लिंजरा तथा राजस्थान सिंधी अकादमी के पूर्व अध्यक्ष हरीश राजानी शामिल रहे। इन पांचों प्रतिनिधियों की उपस्थिति को समाज के लिए विशेष सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान का अपनी मातृभाषा में उपलब्ध होना लोकतांत्रिक भागीदारी को और मजबूत करता है। सिंधी भाषा में यह संस्करण भाषाई विरासत के संरक्षण के साथ-साथ नई पीढ़ी को संवैधानिक मूल्यों से जोड़ने का माध्यम बनेगा। कार्यक्रम में शामिल उदयपुर के प्रतिनिधियों ने इसे ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण बताते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति भवन में अपनी मातृभाषा में संविधान का विमोचन देखना गर्व का विषय है। उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व के साथ संवाद के दौरान सिंधी समाज की भाषा और संस्कृति के संरक्षण के प्रयासों को भी रेखांकित किया। विधि एवं न्याय मंत्रालय की यह पहल 'विकसित भारत @2047' के विजन के अनुरूप मानी जा रही है, जिसका उद्देश्य देश के नागरिकों तक संविधान को उनकी अपनी भाषा में पहुंचाना है। इस पहल से सिंधी भाषी समाज को न केवल अपनी भाषा में संवैधानिक जानकारी मिलेगी, बल्कि सांस्कृतिक पहचान को भी नई मजबूती मिलेगी।

विवाहिता की संदिग्ध मौत पर थाने का घेराव, 2 घंटे हंगामे के बाद FIR दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र के बेड़वास इलाके में विवाहिता भावना कुंवर (19) की संदिग्ध मौत के मामले में शुक्रवार को पीहर पक्ष और समाजजनों ने थाने का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। करीब दो घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्थिति शांत हुई। जानकारी के अनुसार, भावना कुंवर पत्नी हेमेन्द्र सिंह की तबीयत 2 अप्रैल को अचानक बिगड़ गई थी, जिसके बाद उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पीहर पक्ष ने पति हेमेन्द्र सिंह और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए हत्या की आशंका जताई है। परिजनों का कहना है कि हेमेन्द्र सिंह का किसी युवती से संपर्क था, जिसकी चैट देखने पर भावना कुंवर ने विरोध किया था, जिसके बाद उसे लगातार टॉर्चर किया जाने लगा। मृतका के भाई अर्जुन सिंह ने आरोप लगाया कि हेमेन्द्र सिंह नशे की हालत में भावना कुंवर के साथ मारपीट करता था और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। वहीं, चाचा लाल सिंह ने बताया कि 1 और 2 अप्रैल को भी उसके साथ मारपीट की गई थी। परिजनों का यह भी कहना है कि भावना के शरीर पर मारपीट के निशान पाए गए थे। परिजनों ने आरोप लगाया कि घटना के दिन भी उन्होंने लगातार फोन किए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। बाद में पड़ोसियों से जानकारी मिली कि भावना को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पहुंचने तक उसकी स्थिति गंभीर थी। मामले को लेकर राजपूत समाज संगठनों के बैनर तले महिलाओं ने थाने के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में वल्लभनगर की पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत, राजपूत करणी सेना के कई पदाधिकारी तथा स्थानीय समाजजन शामिल हुए। करीब दो घंटे चले प्रदर्शन के बाद डीएसपी सूर्यवीर सिंह ने परिजनों को समझाकर मामला शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने FIR दर्ज कर निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। पुलिस ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विप्र फाउंडेशन द्वारा किया गया भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित पांच दिवसीय क्रार्यकमों के निमंत्रण पत्र एवं पोस्टर विमोचन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 9 अप्रैल। विप्र फाउंडेशन उदयपुर द्वारा विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ के मुख्य संयोजन में भगवान श्री परशुराम जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 16 से 20 अप्रैल तक उदयपुर में आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रमों के निमंत्रण पत्रक एवं पोस्टर का विमोचन गुरुवार को शाम 4:30 बजे श्री बोहरा गणेश जी मंदिर प्रांगण में किया गया। प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र पालीवाल ने बताया कि महिला प्रकोष्ठ के संयोजक में आज सर्वप्रथम प्रथम पूज्य श्री बोहरा गणेश जी को निमंत्रण पत्र के साथ श्रीफल, पीले चावल एवं प्रसाद अर्पित करके पांच दिवसीय कार्यक्रमों की निर्विघ्न सफलता हेतु मंगलकामना की गई। इस अवसर पर महिला शिक्षा एवं उत्पीड़न प्रकोष्ठ की प्रदेश संयोजक अर्चना शर्मा ने उपस्थित समाज के सभी महानुभावों, महिलाओं एवं युवाओं से इन कार्यक्रमों में अधिकाधिक सहभागिता प्रदान करने हेतु आग्रह किया, विशेष रूप से ब्राह्मण समाज के प्रत्येक घर से महिलाएं इस कार्यक्रम में सम्मिलित हो, इस हेतु आव्हान किया। प्रदेश संरक्षक कुसुम शर्मा ने सभी महिला पदाधिकारियां से घर-घर जाकर पत्रक एवं पीले चावल बाँट कर अधिक से अधिक महिलाओं को भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रमों से जोड़ने का आग्रह किया। इस अवसर पर विप्र फाउण्डेशन के राष्ट्रीय संरक्षक धर्मनारायण जोशी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री के. के. शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष डॉ नरेन्द्र पालीवाल, प्रदेश महामंत्री राकेश जोशी, दुर्गेश शर्मा, सुभाष नागला, विजयप्रकाश विप्लवी, हिम्मत नागदा, पंकज जोशी, कैलाश आचार्य, केसुलाल शर्मा, अनिल पचैरी, भरत जोशी, हरीश शर्मा, नीलेश चैबीसा, हरीशंकर तिवारी, लोकेश जोशी, रणजीत शाकद्वीपीय, राजेश पालीवाल, मगन जोशी, नीरज नागदा, महिला प्रकोष्ठ से संगीता व्यास, चित्रा मेनारिया, मीना पालीवाल, तुलसी नागदा, मीना शर्मा, सुमित्रा आचार्य, निशा शर्मा, बबीता शर्मा, हेमलता नागदा, सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 42 महिला पीसीआर वैन को दिखाई हरी झंडी, महिला सुरक्षा 1090 और होगी मजबूत

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 10 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय से महिला सुरक्षा को समर्पित 42 पीसीआर वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 1090 को लगातार मजबूत कर रही है ताकि महिलाओं को त्वरित और प्रभावी सहायता उपलब्ध कराई जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों और घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई के लिए राजस्थान पुलिस को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित किया जा रहा है। इसी क्रम में यह नई पीसीआर वैन 24 घंटे सक्रिय रहकर महिला सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी। इन सभी वाहनों को अभय कमांड सेंटर से जोड़ा गया है, जो डायल 112 की तर्ज पर कार्य करेगा। प्रत्येक वाहन में मोबाइल डेटा टर्मिनल (एमडीटी) लगाया गया है, जिसके माध्यम से अभय कमांड सेंटर से प्राप्त निर्देशों के अनुसार मौके पर तत्काल कार्रवाई संभव होगी। इसके अलावा इन वाहनों में जीपीएस, फोल्डिंग स्ट्रेचर और एलईडी लाइट बार जैसी आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 1090 का उद्देश्य उत्पीड़न, शोषण और हिंसा जैसी आपात स्थितियों में महिलाओं को त्वरित सहायता प्रदान करना है। यह व्यवस्था महिलाओं के लिए सुरक्षित और सशक्त वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उदयपुर में इवेंट स्पेस को नई पहचान: अर्बन स्क्वायर मॉल में 'द बैंक्वेट' का शुभारंभ

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर में आधुनिक इवेंट और हॉस्पिटैलिटी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए अर्बन स्क्वायर मॉल में 'द बैंक्वेट' का उद्घाटन किया गया। इस नई सुविधा के साथ मॉल ने रिटेल के साथ-साथ प्रोफेशनल इवेंट स्पेस और हॉस्पिटैलिटी सेगमेंट में अपनी मौजूदगी को मजबूत किया है। 'द बैंक्वेट' को एक अत्याधुनिक इवेंट वेन्यू के रूप में विकसित किया गया है, जो करीब 5000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला है और इसमें एक समय में 150 से 200 मेहमानों के आयोजन की क्षमता है। यह स्थान सामाजिक समारोहों से लेकर कॉरपोरेट इवेंट्स तक के लिए उपयुक्त रूप से डिजाइन किया गया है, जहां विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम सहजता से आयोजित किए जा सकते हैं। मॉल परिसर में स्थित Keys Lite by Lemon Tree Hotels के ग्राउंड फ्लोर पर तैयार यह सुविधा रिटेल, मनोरंजन और हॉस्पिटैलिटी को एकीकृत करने की व्यापक योजना का हिस्सा है। उदयपुर में हाल के वर्षों में संगठित और पेशेवर इवेंट स्पेस की मांग में तेजी आई है, जिसे ध्यान में रखते हुए इस प्रोजेक्ट को विकसित किया गया है। इस अवसर पर भूमिका ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर उद्धव पोद्दार ने कहा कि बदलते समय में ग्राहकों की अपेक्षाएं केवल खरीदारी तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि वे एक संपूर्ण अनुभव की तलाश में रहते हैं। 'द बैंक्वेट' इसी सोच के साथ तैयार किया गया है, ताकि शहर में बेहतर और सुव्यवस्थित इवेंट स्पेस की जरूरत को पूरा किया जा सके। वहीं, भूमिका एंटरप्राइजेज की सीईओ नंदिनी तनेजा ने बताया कि इस सुविधा को इस तरह डिजाइन किया गया है, जिससे विभिन्न प्रकार के आयोजनों के लिए लचीलापन और समान गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट ऐसे डेस्टिनेशन विकसित करने की दिशा में एक कदम है, जो उपयोग में आसान होने के साथ-साथ आधुनिक आवश्यकताओं को भी पूरा करते हों।

एसडीएम का औचक निरीक्षण, पंजीकृत 22 बच्चों में से केवल 12 बच्चे ही उपस्थित मिले, भवन जर्जर, स्वच्छता पर उठे सवाल

24 न्यूज अपडेट

भूपालसागर (अरविंद गर्ग)। उपखंड क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की हकीकत उस समय सामने आई, जब एसडीएम महेश गगोरिया ने शुक्रवार को आंगनबाड़ी केंद्र और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई व्यवस्थागत कमियां उजागर हुईं, जिस पर अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए।

सबसे पहले एसडीएम ने आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-1 का निरीक्षण किया, जहां पंजीकृत 22 बच्चों में से केवल 12 बच्चे ही उपस्थित मिले। इस पर उन्होंने उपस्थिति बढ़ाने और अभिभावकों को जागरूक करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान केंद्र का भवन जर्जर अवस्था में पाया गया और बैठने की समुचित व्यवस्था का अभाव भी सामने आया। एसडीएम ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताते हुए संबंधित अधिकारियों को बुनियादी सुविधाएं सुधारने और स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान बच्चों को नियमानुसार 'मीठा दलिया' वितरित किया जा रहा था। इसके बाद एसडीएम ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भूपालसागर का दौरा किया। विद्यालय परिसर में विशेषकर शौचालयों की सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने विद्यालय प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। निरीक्षण के दौरान एसडीएम महेश गगोरिया ने कहा कि क्षेत्र में शिक्षा और पोषण से जुड़े संस्थानों में मूलभूत सुविधाओं का बेहतर होना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि संसाधनों की कमी को शीघ्र दूर कर व्यवस्थाओं में सुधार लाया जाए, ताकि बच्चों को बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सके। इस औचक निरीक्षण ने क्षेत्र में जमीनी स्तर पर मौजूद कमियों को उजागर किया है। अब देखने वाली बात यह होगी कि दिए गए निर्देशों पर अमल कितनी तेजी से होता है और व्यवस्थाओं में कितना सुधार नजर आता है।

रामकथा में राम जन्मोत्सव धूम धाम से मनाया

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 10 अप्रेल। सर्वेश्वर महादेव मंदिर, डोरे नगर, सेक्टर 3 में श्री राम दरबार प्राण प्रतिष्ठा एवं लक्ष्मी नारायण मंदिर पाटोत्सव के उपलक्ष्य में संगीतमय रामकथा के तीसरे दिन श्री पुष्कर दास महाराज ने कहा बड़भागी होते हैं तो सत्संग में बैठते और मनुष्य जनम पाते है। हनुमान जी बड़भागी थे जिन्हें प्रभु राम की सेवा मिली, भजन सिर्फ मनुष्य जन्म में ही कर सकते है। आगे कहा धरती पर पाप ज्यादा बढ़ रहा है इसलिए प्रकृति भी रूठ रही है, आजकल नवजात बच्चों को बहुत दुख दिया जा रहा है । आज के समय में नवरात्रि में 9 कन्याएं भोजन करवाने के लिए मुश्किल से मिलती हैं, बच्चियों को बचाना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है । आगे भोले बाबा सती को लेकर अगस्त ऋषि के आश्रम में कथा श्रवण करने जाते है । भोले बाबा तो कथा को आदर देते हे परन्तु सती कथा को ध्यान से नहीं सुनती ओर प्रभु राम जी ओर सीता जी की परीक्षा करती है । परीक्षा करने के कारण वह भोले बाबा से दूर हुई, रामायण में सती को पीहर पक्ष का अभिमान था, भगवान शंकर को सती का दुःख सताता है आखिर भोले बाबा ने कहा होई सोई जो राम रचिराखा। आखिर में सती का परित्याग हुआ, सती ने कहा जनम जनम मुझे पति रूप में भगवान शिव प्राप्त हो । आगे महाराज ने कहा रामायण ग्रन्थ हमारे सभी के घर में होना चाहिए । राम का जन्म हमारे घट में होना चाहिए, जो दुख हमे मिलता है तो कर्मों का लेखा चुकता है । आगे मनु और शतरूपा के प्रसंग का वर्णन किया ।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।